समय २.३० घंटे **कुल अंक: ७५**

सूचना: १.सभी प्रश्न अनिवार्य |

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं |

(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है कि नहीं)

प्रश्न १. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो के सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए | (३०)

क. "उनको देख कौन रोया यों अंतरिक्ष में बैठ अधीर !
व्यस्त बरसने लगा अश्रुमय यह प्रालेय हलाहल नीर !
हाहाकार हुआ क्रंदनमय कठिन कुलिश होते थे चूर,
हुए दिगंत बधिर, भीषण रव बार-बार होता था क्रूर।

ख. 'मुझे स्मरण है :
हरी तलहटी में, छोटे पेड़ों की ओट ताल पर
बँधे समय वन-पशुओं की नानाविध आतुर-तृप्त
पुकारें :
गर्जन, घुघुर, चीख़, भूक, हुक्का, चिचियाहट।
कमल-कुमुद-पत्रों पर चोर-पैर द्रुत धावित
जल-पंछी की चाप
थाप दादुर की चकित छलाँगों की।
पंथी के घोड़े की टाप अधीर।
अचंचल धीर थाप भैंसों के भारी खुर की।

ग. भूल-ग़लती
आज बैठी हैं जिरहबख्तर पहनकर
तख्त पर दिल के
चमकते हैं खड़े हथियार उसके दूर तक,
आँखें चिलकती हैं नुकीले तेज पत्थर-सी;
खड़ी हैं सिर झुकाए
सब कतारें
बेजुबाँ बेबस सलाम में,
अनगिनत खम्भों व मेहराबों-थमे
दरबारे-आम में।

XSAGARDADMINY50BC0EXSAGARDADMINY50BC0E

प्रश्न २. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर विस्तार में लिखो |** **(३०)**

च. कामायनी की कथावस्तु का वर्णन कीजिए।

छ. 'बना दे चितेरे' कविता के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए।

ज. मुक्तिबोध की काव्य भाषा समाज में संघर्षशील व्यक्ति को साअर्थ प्रदान करती है। उदाहरण द्वारा समझाइए।

प्रश्न ३. **निम्नलिखित मुद्दों पर टिप्पणी कीजिए** **(१५)**

ट. कामायनी में रूपक तत्त्व |

अथवा

कामायनी महाकाव्य का संदेश |

ठ. 'चिड़िया ने ही कहा' कविता का भावार्थ |

अथवा

'असाध्य वीणा' कविता की ऐतिहासिकता |

ड. मुक्तिबोध के काव्य में बिम्ब सृष्टि |

अथवा

'अंधेरे में' कविता की संवेदना |

XSAGARDADMINY50BC0EXSAGARDADMINY50BC0E